SHRI B. SATYANARAYAN REDDY: The Minister in his statement has said that villages under REC Programme in the case of Andhra Pradesh are 3,908 during the Seventh Plan period; and pumpsets under REC programme are 3,31264. Sir, I would like to know from the Minister as to how many villages which are supposed to be backward and the tribal people live, have been covered under this programme in Andhra Pradesh?

SHRI VASANT SATHE: Sir, I do not have a separate break up of district-wise tribal villages so far covered under this scheme. But I will try to give some figures which I have after, 1985. The number of tribal villages covered under this scheme in Andhra Pradesh were 7,097. Then the number of schemes approved were 67. The loan amount sanctioned in lakhs was Rs. 2,09,604. The energisation of pumpsets were 3,629. The number of villages electrified were 1,727.

श्री शान्ति त्यागी : सभापति जी, हमारे उत्तर प्रदेश के हजारों देहातों में बिजली चली गई है, इसमें शक की बात नहीं है, लेकिन बिजली कभी दिन में आती है कभी रात में। जिन गांवों में रात को पावर की बिजली सप्लाई नहीं होती, दिन में होती है, क्या वहां रात को कम से कम डोमेस्टिक लाइट के लिये कोई व्यवस्था होगी और होगी तो कब तक ?

श्री वसंत साठे : माननीय सभापति जी, उत्तर प्रदेश में सातवीं पंचवर्षीय योजना में विचार है कि 22 हजार गांवों को और ज्यादा बिजली पहुंचाई जाय। माननीय सदस्य का सवाल है कि आज जिन गांवों में बिजली है वहां रात को बिजली नहीं मिलती। यह राज्य सरकार की क्या त्रुटियां हैं उस पर अवलम्बित है। हम राज्य सरकार से इसके बारे में पता करेंगे।

विद्युत उत्पादन के वर्तमान स्तर को दुगना किया जाना

*206. **श्री राम चन्द्र विकल** : क्या ऊर्जा मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश में कम से कम लागत दर पर ऊर्जा उपलब्ध करने के लिये विद्युत उत्पादन के वर्तमान स्तर को दुगना करने का विचार रखती है ;

(ख) क्या केन्द्रीय सरकार ने भारत में तेल और गैस सम्बन्धी विकास कार्यक्रम में कनाडा सरकार के और वहां के उद्योगपतियों के भी सक्रिय सहयोग तथा भागीदारी की अपेक्षा की है ; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

ऊर्जा मंत्री (श्री वसंत साठे) : (क) छठी योजना के अन्तिम वर्ष में 156.6 बिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन हुआ था। विद्युत के उत्पादन में उत्तरोत्तर वृद्धि करने का प्रस्ताव है। सातवीं योजना के अन्त तक, विद्युत का उत्पादन 276 बिलियन यूनिट तक पहुंच जाने की आशा है। अन्य बातों के साथ-साथ विद्युत उत्पादन के लिये अपेक्षित पूंजी निवेश और प्रचालन की लागत के आधार पर बिजली का टैरिफ निर्धारित किया जाता है।

(ख) और (ग) तेल और गैस की खोज तथा विकास के सम्बन्ध में कनाडा से सामान और सेवाएं प्राप्त करने के बारे में कनाडा के साथ दिसम्बर 1985 में एक प्रोटोकोल पर हस्ताक्षर किए गए थे। कनाडा 198 मिलियन केनेडियन डालर की वित्तीय सहायता देने के लिये सहमत हो गया है।

श्री रामचन्द्र विकल : मंत्री जी ने जो उत्तर दिया है उस में छठी पंचवर्षीय योजना में 156.6 बिलियन यूनिट्स और सातवीं योजना के अंत में 276 बिलियन यूनिट्स की बात कही गयी है। मैं समझता हूं कि यह जो प्रगति है दो योजनाओं के अंतर्गत वह बहुत कम है। मेरे सवाल पूछने की मंशा यह थी कि बिजली के उत्पादन का जो खर्चा बढ़ा हुआ है उस में किफायत कर के बिजली के उत्पादन को बढ़ाया जाना चाहिए इस पर मैं एक विस्तृत वक्तव्य मंत्री जी से चाहूंगा और इसके लिए मंत्री जी ने क्या-क्या तरीके अपनाये हैं और इन दो योजनाओं के अंतर्गत जो इतनी कम क्षमता है उस को बढ़ाने के लिए क्या क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

श्री बसंत साठे : सभापति जी, आखिर किफायत तो तभी हो सकेगी जब बिजली निर्माण करने का खर्चा कम हो सकेगा और दिन ब दिन बिजली निर्माण का खर्च चाहे वह कोल पर आधारित हो

या गैस पर हो या अन्य श्रोतों पर, वह बढ़ रहा है और इस लिए बिजली सस्ती करना संभव नहीं है। दो तरह के हम अपना रहे हैं। बिजली सस्ती तो नहीं की जा सकती पर खर्च कम करने के लिए एक तो प्लान्ट लोड फैक्टर, जो संयंत्र हैं वह अच्छी तरह से चलाये जायें और प्लान्ट फैक्टर बढ़ाया जाय और खुशी की बात है कि पिछले दो वर्ष में प्लान्ट लोड फैक्टर हमारा बढ़ा है। तो यह हमारी इच्छा है कि यह और बढ़े। हम ने टार्गेट रखा है 60 होना चाहिए प्लान्ट लोड फैक्टर इस योजना में। और वैसे ही ट्रांसमिशन लासेज जो हैं। वह भी कम करना आवश्यक है। आज देश में ट्रांसमिशन लासेज बहुत ज्यादा है। तो यह दोनों बातें यदि हो जायें तो खर्च कम होगा। पर यह मैं नहीं कह सकता कि खर्च कम होने के बाद भी हम बिजली इस से सस्ते में दे पायेंगे।

श्री रामचन्द्र विकल : मैं जानना चाहता हूं कि कनाडा की सरकार ने जो 198 मिलियन कैनेडियन डालर्स देने का वायदा किया है वह कब तक पूरा हो जायगा और उस की शर्तें क्या हैं? और दूसरे कैनेडियन उद्योगपतियों से भी कोई बात चीत हुई है और अगर हुई है तो उस का ब्योरा क्या है?

श्री बसंत साठे : सभापति जी, यह तो आयल एण्ड गैस एक्सप्लोरेशन के बारे में है। मैं इस का जानकारी दे नहीं पाऊंगा। जो ओ० एन० जी० सी० के मिनिस्टर हैं वे इसको बता सकेंगे।

श्री गुलाम रसूल कार : मैं पूछना चाहता हूं कि कंट्री में जो बिजली की डिमांड बढ़ रही है उसे देखते हुए काश्मीर ने तीन प्रोजेक्टस की डिमांड रखी थी। वुलर प्रोजेक्ट, डूलहस्ती प्रोजेक्ट और सलाल प्रोजेक्ट। इसमें किस हद तक सलाल का पहला यूनिट कब तक पावर जनरेट कर रहा है और उरी और डूलहस्ती प्रोजेक्ट के अकादमात क्या हैं जब कि यह दोनों हाइडिल प्रोजेक्ट हैं और इन में सस्ती पावर जनरेट होती है पानी से फिर भी आप क्यों उरी और डूलहस्ती प्रोजेक्ट को तरजीह दे रहे हैं।

†[شری غلام رسول کار : میں پوچھنا چاہتا ہوں کہ ملک میں جو بجلی کی ڈمانڈ بڑھ رہی ہے اسے دیکھتے ہوئے کشمیر نے تین پروجیکٹس کی ڈمانڈ رکھی تھی - اری پروجیکٹ - ڈول ہستی پروجیکٹ - اور سلال پروجیکٹ - اس میں کسی حد تک سلال کا پہلا یونٹ کب تک پاور جنریٹ کر رہا ہے اور اری اور ڈول ہستی پروجیکٹ کے اقدامات کیا ہیں - جبکہ یہ دونوں ہائیڈل پروجیکٹ ہیں اور ان میں سستی پاور جنریٹ ہوتی ہے پانی سے پھر بھی آپ کیوں اری اور ڈول ہستی پروجیکٹ کو نظر انداز کئے ہوئے ہیں -]

श्री बसंत साठे : मुझे बड़ी सहानुभूति है लेकिन अगर किसी विशेष प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी चाहते हैं तो उस के लिए मुझे नोटिस चाहिए।

MR. CHAIRMAN: Yes Mr. Chitta Basu.

SHRI CHITTA BASU: Sir, the honourable Minister has been pleased to state that at the end of the Seventh Five Year plan, the total generation would be 276 billion units. Will the honourable Minister now tell us what the proportion of these 276 billion units is of thermal and hydel power? Now, my second point is this: There are now demands from the private sector for allowing them to set up power generation centres and for making transmission arrangements. I would like to know whether the Central Government has come to any conclusion regarding the requests made by the private sector industries in the matter of setting up of power generation units in the private sector.

SHRI VASANT SATHE: Sir, as far as the break-up of hydel and thermal power generation at the end of the Seventh Plan is concerned, the addition of 22,245 MW capacity will comprise 5,541 MW of hydel power, 15,990 MW of thermal power and 705 MW of nuclear power. This will give hydel-73 billion units, thermal-194 billion

*Transliteration in Arabic script.

units and nuclear-8.6 billion units. As far as private parties are concerned, we are having an open mind. If they can bring in resources, additional resources, we are willing to consider their requests on merits.

MR. CHAIRMAN: All right. Question No. 207 Mr. Balram. Not here.

*207. [*The questioner (Shri N. E. Balaram) was absent. For answer* vide *Col.* 39-40 infra].

MR. CHAIRMAN: Question No. 208 Mr. D' Souza.

Formulations by M/s. Glaxo

*208. DR. JOSEPH LEON D' SOUZA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) the names of formulations being manufactured by M/s. Glaxo based on Betamethasone Alcohol, Valerate and Disodium;

(b) what was the consumption of each of these drugs by the company during the last three years, year-wise;

(c) what was the sales turnover of formulations based on these drugs during the last three years, year-wise;

(d) whether his Ministry have flexed the prices of these drugs, if so, the price fixed for each drug and what price was taken in the formulation prices;

(e) whether M/s. Glaxo is manufacturing any Vitamin preparations if so, the name of each formulation and what was the total sales of Vitamin preparations during the last three years, year-wise;

(f) whether it is a fact that M/s. Glaxo is manufacturing certain Anti-TB formulations as well as essential seras and vaccines; and

(g) if so, the name of each product and sales turnover of each during the last three years, year-wise?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF CHEMICALS AND PETRO-CHEMICALS (SHRI R. K. JAICHANDRA SINGH): (a) to (g) A statement is laid on the Table of the Rajya Sabha.

Statement

(a) A Statement giving the details is attached at Annexure-I.

(b) To the extent information is available, during the year ending June, 1984 consumption of these drugs by M/s. Glaxo Laboratories India Ltd. was as follows:—

(i) Betamethasone Alcohol	120.110 kgs.
(ii) Betamethasone Disodium Phosphate	228.016 kgs.
(iii) Betamethasone 17-Valerate	260 666 kgs.

(c) Sales turnover of individual formulations is not monitored.

(d) The followng prices were fixed for these drugs on 12-5-1981 under the Drugs (Prices Control) Order, 1979:—

(i) Betamethasone Alcohol	Rs. 113 34 per gm.
(ii) Betamethasone Disodium Phosphate	Rs. 126.23 per gm.
(iii) Betamethasone 17 Valerate	Rs. 105 85 per gm.

The formulation prices are presently based on the following prices of these bulk drugs, based on the stay granted by the Delhi High Court against the reduction in prices of the bulk drugs and formulations:—

(i) Betamethasone Alcohol	Rs. 134.28 per gm.
(ii) Betamethasone Disodium Phosphate	Rs. 225.00 per gm.
(iii) Betamtethasone 17 Valerate	Rs. 220.00 per gm.